Invited talk on Research Translation and Campus Startups by Dr. Anil Wali, MD FITT, IIT Delhi on 13th Sept 2022

Kurukshetra University Technology Incubation Center (KUTIC) organized an invited talk for Faculty members of Kurukshetra University on “Research translations and Campus Start-ups" by Dr. ANIL WALI Director FITT, IIT Delhi . In his talk Dr. Wali emphasized on the role of digitalization and disruption. He gave insights about the current status of R & D in India. During the event Chief guest Honorable Vice-Chancellor, Prof Som Nath Sachdeva and Dean Academic Affairs, Prof. Manjula Chaudhary joined KUTIC as first and second Faculty mentors respectively.

स्टार्टअप के लिए एक अच्छा और नया आइडिया होना जरूरी : कुलपति सचदेवा

कुवि टेक्नोलाजी इंक्यूबेशन सेंटर की ओर से कैंपस स्टार्टअप विषय पर वार्ता आयोजित

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में मंगलवार को टेक्नोलाजी इंक्यूबेशन सेंटर की ओर से रिसर्च ट्रांसलेशन एंड कैंपस स्टार्टअप विषय पर वार्ता करवाई गई। कुवि के सीनेट हाल में आयोजित इस वार्ता में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि स्टार्टअप के लिए एक अच्छा और नया आइडिया होना जरूरी है। स्टार्ट-अप कार्यक्रमों को शुरू करने का यह सबसे अच्छा समय है। स्टार्टअप क्रांतिकारी प्रौद्योगिकी के साथ अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी है और समय के साथ नए उद्योग भी शुरू होते हैं।

कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षा एवं शोध, अनुसंधान के साथ स्टार्टअप, नवाचार एवं विद्यार्थियों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि विद्यार्थी आत्मनिर्भर बन सकें। कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें इसी के लिए प्रेरित करती है जिसमें स्किल डेवलपमेंट, इंटर्नशिप के माध्यम से रोजगार परक शिक्षा देने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि भारत को चिकित्सा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी जैसे हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की जरूरत है, इसके लिए स्टार्टअप बहुत जरूरी हैं जिसमें नवाचार, शोध एवं अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका शामिल है।

डिजिटीकरण व विघटन अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं: मुख्य वक्ता एफआइटीटी, आइआइटी दिल्ली के मैनेजिंग डायरेक्टर डा. अनिल वाली ने कहा कि डिजिटलीकरण और विघटन किसी भी अर्थव्यवस्था को बेहद प्रभावित करते हैं। शोध कार्य के व्यवसायीकरण के लिए छोटे कदम उठाने का यह सही समय है। नवाचार प्रक्रिया में सबसे अच्छे उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका हैं। उन्होंने कहा कि विवि के शिक्षाविद ज्ञान के पावर हाउस हैं। इसे सही ढंग से चैनलाइज करने की आवश्यकता है। इस मौके पर डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. अनिल मित्तल, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. अनिता भटनागर, प्रो. संजीव कुमार गुप्ता, प्रो. परमेश कुमार व डा. नरेश सागवाल मौजूद रहे।

कुवि के सीनेट हाल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा और उपस्थित शिक्षक। ● सौजन्य : पीआरओ